राज्य शिक्षा केंद्र
स्कूल शिक्षा विभाग
मध्य प्रदेश

समग्र शिक्षा

DIKSHA

भाग – 1 | मई 2020–अप्रैल 2021

CM RISE
नए क्षितिज

डिजिटल
शिक्षक
प्रशिक्षण

हमारे शिक्षक
हमारे प्रेरणास्त्रोत

हम शिक्षक हैं – हम सिखाते ही नहीं, सीखते भी हैं!

...और अन्य शिक्षकों के विचार

peepul™

SBI MUTUAL FUND
A PARTNER FOR LIFE

SBI FOUNDATION
Service Beyond Banking
...के सहयोग से

हमारे शिक्षक, हमारे प्रेरणास्त्रोत

एक परिचय

स्कूल शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश द्वारा पीपल संस्था के सहयोग से शिक्षकों के समेकित व्यावसायिक उन्नयन के उद्देश्य से **CM राइज़ व्यावसायिक विकास कार्यक्रम** का संचालन 1 मई 2020 से किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रदेश के शिक्षकों को डिजिटल माध्यमों से उनकी गति अनुसार, रोचक और आनंदमय तरीक़े से सीखने-सिखाने की विधियों व विषयवार कठिन अवधारणाओं पर प्रशिक्षण प्रदान करता है, साथ ही Professional Learning Community (PLC), शैक्षिक संवाद एवं कक्षा-कक्ष में प्रशिक्षण की सीख को लेकर जाने हेतु गतिविधियाँ भी इस कार्यक्रम का अभिन्न अंग हैं। कार्यक्रम अंतर्गत शिक्षकों को इस प्रकार सक्षम बनाने में सहयोग देना है जिससे कि वे अपने बच्चों को नवीन शैक्षिक विधियों व पद्धतियों से पढ़ाने में सक्षम हों तथा बच्चे अपनी आयु एवं कक्षा अनुसार शैक्षणिक दक्षताओं को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ें।

राज्य के शिक्षकों के विचारों, फीडबैक तथा उनके अनुभवों को जानने तथा उसे प्रदेश के अन्य शिक्षकों से साझा करने हेतु **राज्य-स्तर से नियमित डेशबोर्ड** प्रकाशित किया जाता है, जिसका उद्देश्य विभिन्न प्रशिक्षणों पर शिक्षकों के अनुभवों एवं विचारों को एक दूसरे से साझा कर सीखने का एक वातावरण निर्माण करना है।

15 जून 2020 को सर्व प्रथम एक शिक्षक के द्वारा CM Rise कोर्स पर अपने विचार साझा किये गए, जिन्हें राज्य से प्रकाशित CM Rise राज्य डेशबोर्ड पर स्थान प्रदान किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत **18 कोर्स पर 95 शिक्षकों ने अपने विचार इस डेशबोर्ड के माध्यम से साझा किए हैं** और यह सतत रूप से सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। शिक्षकों द्वारा इस प्रयास को प्रशंसा मिल रही है – उनके अनुसार यह प्रयास प्रदेश के शिक्षकों के अनुभवों एवं विचारों के आदान-प्रदान हेतु एक नवाचारी प्रयास है, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षकों को अपने विचारों को अभिव्यक्त करने हेतु एक मंच मिला है।

इस संकलन में हम राज्य के विभिन्न जिलों के 95 शिक्षकों के महत्वपूर्ण विचारों को स्थान दिया गया है, जो CM Rise डिजिटल टीचर ट्रेनिंग के 18 कोर्स से संबंधित हैं। ये विचार, कोर्स की समीक्षा से लेकर उनकी कक्षाओं और व्यक्तिगत जीवन में कोर्स की अवधारणाओं को लागू करने के अपने अनुभव तक को समेटे हुए हैं। ये सभी विचार राज्य-स्तरीय डैशबोर्ड में प्रकाशित हुए हैं।

हम इन शिक्षकों को कार्यक्रम के प्रति उनके समर्पण और समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं और आशा करते हैं कि आप शिक्षा के माध्यम से देश के भविष्य को दिशा देने का अपना कार्य जारी रखेंगे।

सी एम राइज डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

कोर्स जिन पर शिक्षकों के विचार इस पुस्तिका में सम्मिलित किए गए

क्रमांक	सी एम राइज़ कोर्स	कोर्स पूर्ण करने वाले शिक्षकों की संख्या
1	CM RISE- डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण	2,83,467
2	शिक्षक की भूमिका	2,77,159
3	चिंतन: प्रभावी शिक्षण का आधार	2,70,198
4	दूरस्थ शिक्षण	2,71,964
5	हमारा घर हमारा विद्यालय [कक्षा 1- 8]- परिचय	2,56,644
6	बच्चों और पालकों से प्रभावी बातचीत	2,46,300
7	शिक्षकों और पालकों की साझेदारी	2,41,788
8	मानसिक स्वास्थ्य परिचय एवं भावनाओं का प्रबंधन	2,53,583
9	सोच में परिवर्तन एवं क्रोध प्रबंधन	2,56,400
10	मन की व्यायामशाला	2,43,075
11	बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य – परिचय	2,38,466
12	संवाद, भावनाओं का प्रबंधन एवं सहिष्णुता	2,40,646
13	क्रोध प्रबंधन, सफलता – असफलता, स्वयं की पहचान	2,37,210
14	जिंदगी की ओर	2,27,249
15	सीखने के प्रतिफल (परिणाम) पर समझ	2,32,937
16	पाठ्यपुस्तकें: शिक्षकों की मित्र	2,34,671
17	RSK द्वारा निर्मित लर्निंग आउटकम्स पर आधारित टीचर हैंडबुक - बेहतर शिक्षण योजना बनाने का मुख्य आधार	2,29,740
18	पाठ योजनाएँ - सीखने सिखाने का आधार	1,71,207

हमारे शिक्षक, **हमारे प्रेरणास्त्रोत**

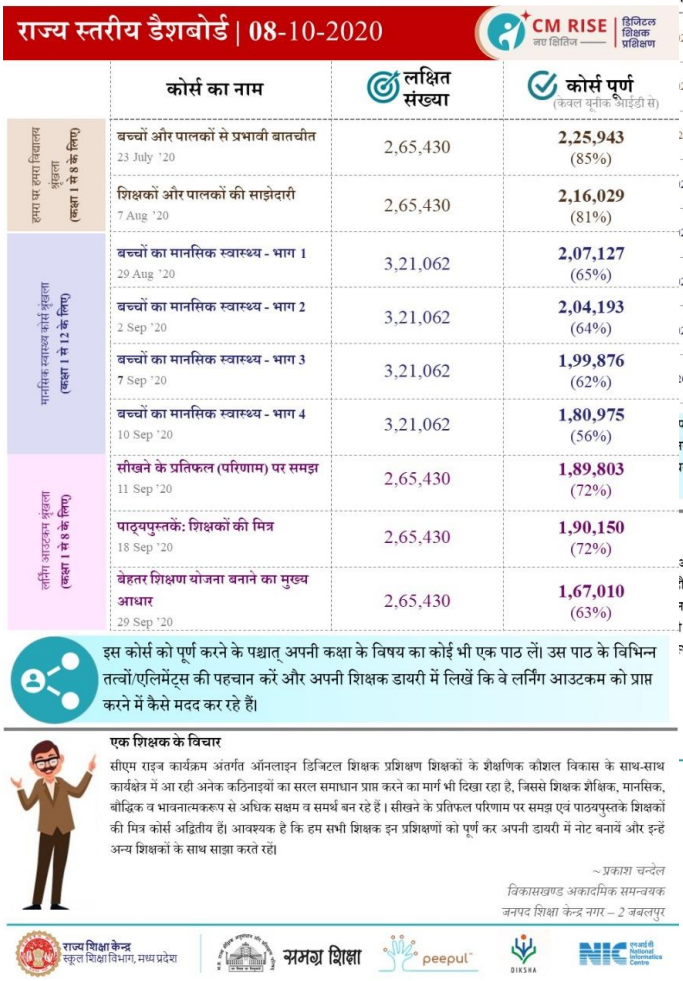

CM Rise राज्य डेशबोर्ड के कुछ उदाहरण

*राज्य के शिक्षकों के विचारों, फीडबैक तथा उनके अनुभवों को जानने तथा उसे प्रदेश के अन्य शिक्षकों से साझा करने हेतु **राज्य-स्तर से नियमित डेशबोर्ड** प्रकाशित किया जाता है। कार्यक्रम अंतर्गत **18 कोर्स पर 95 शिक्षकों ने अपने विचार इस डेशबोर्ड के माध्यम से साझा किए हैं** और यह सतत रूप से सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।*

सुभाष यादव 'सहायक शिक्षक'
शासकीय प्रा. शा. कागदीपुरा जिला -धार

कक्षा कक्ष में बच्चों का बहुमत होता है और कक्षा में शिक्षक एक ही होता है। शिक्षक को यह जानना होगा कि बच्चे कक्षा कक्ष में क्या, कब और कैसे सीखना चाहते हैं। शिक्षक को बच्चे की भावनाओं को समझते हुए एक कक्षा कक्ष में वही शैक्षिक गतिविधियां करवाना चाहिए जिससे कि सभी स्तर की प्रत्येक बच्चे रूचि लेकर शिक्षक द्वारा दी जा रही जानकारी को देखकर अपने व्यवहार में ला सकें। तब ही हम गुणवत्ता युक्त शिक्षा के क्षेत्र में आगे कदम बढ़ा सकते हैं।

ममता शर्मा
प्रा.शिक्षक प्रा. शा. रुगनाथपुरा जिला राजगढ़

शिक्षा के सभी पहलुओं जैसे शिक्षा के उद्देश्य, शिक्षण विधि, पाठ्यक्रम मूल्यांकन अनुशासन आदि को मनोविज्ञान ने प्रभावित किया है। बिना मनोविज्ञान की सहायता के शिक्षा प्रक्रिया सुचारू रूप से नहीं चल सकती। वर्तमान समय में यदि शिक्षक को अपने कार्य में सफल होना है, तो उसे बाल मनोविज्ञान की समझ होनी चाहिए, ताकि वह छात्रों की शिक्षा संबंधी विशिष्ट कठिनाइयों को पहचान सके तथा उपचारात्मक शिक्षण देने की कुशलता विकसित कर सके।

ममता सक्सेना
प्रशिक्षण प्रभारी, डाइट इंदौर

शिक्षक प्रशिक्षक के रूप में हमारे सामने शिक्षक होते हैं, जो छात्र शिक्षक का मिलाजुला रूप होते हैं। हम स्वयं चिंतन के माध्यम से प्रशिक्षण की सूची एवं आवश्यकता को समझ कर सीमित व्यवहार से अगर शिक्षक के मर्म को स्पष्ट कर पाते हैं, तो नि:संदेह प्रशिक्षण के बाद एक बेहतरीन शिक्षक को पाते हैं, यही शिक्षक छात्रों को भयमुक्त वातावरण दे कर अर्जित कौशलों के साथ सीखने की संप्राप्ति (Learning outcomes) को हासिल करने में सहायक होते हैं।

शिक्षा मिश्रा सहायक शिक्षक
शा. प्रा. शा. नवीन अरेरा कॉलोनी, भोपाल

एक शिक्षक के विचार- कक्षा में बच्चों को अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान करने से आशय है कि अगर बच्चा गलत उत्तर भी देता है, तो भी उसके जवाब का स्वागत कर उसे सही उत्तर सोचने की दिशा में प्रेरित किया जाना चाहिए अस्वीकार्यता की स्थिति में बच्चे की बौद्धिक गतिविधियां समिति हो जाती हैं और वह कभी खुलकर अपनी बात नहीं रख पाता है।

हीरालाल बैगा
शा.प्रा.वि.अगरियानार,जिला अनूपपुर

एक व्यक्ति के चरित्र, क्षमता व भविष्य को निखारने वाले केवल शिक्षा ही हैं। शिक्षा के द्वारा हम विभिन्न विपत्तियों व समस्याओं का आसान हल निकाल कर सकारात्मक परिणाम हासिल कर सकते हैं बच्चों में प्रेरणात्मक रूप से शिक्षा प्रदान करना आवश्यक है, क्योंकि बच्चों को एकजुट कर कार्य करवाने और प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षक महत्वपूर्ण है।

वीणा द्विवेदी
शा. प्रा. शा. हरतला टोला बरही जिला कटनी

शिक्षक और शिक्षण व्यवस्था दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। शिक्षक की भूमिका कक्षा में एक सुविधादाता और मार्गदर्शक की होती है| शिक्षक के प्रत्येक क्रियाकलाप का प्रभाव बच्चों पर होता है, जो शिक्षण की नींव को मजबूत करते हैं।

राजेंद्र चौधरी मा. शि.
शा. मा. वि. मगर खेड़ी, इंदौर

मैं बच्चों के शिक्षण पर निरंतर चिंतन तो करता रहा लेकिन उसके परिणाम मेरी आशा के अनुरूप नहीं मिले| क्योंकि मेरे चिंतन का आधार हमेशा स्वयं और केवल बच्चे ही रहते आए हैं। मैंने कभी भी उनके सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण को अपने चिंतन में स्थान नहीं दिया। इस कोर्स ने मेरे चिंतन का दायरा बढ़ा दिया है, अब मैं सोचता हूं कि मुझे किसी बच्चे के विषय में चिंतन करते समय उसके सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं पर भी ध्यान देना होगा तभी मैं बच्चों में आशा अनुरूप बदलाव ला सकता हूँ और शिक्षण को सही दिशा प्रदान कर सकता हूँ।

दुर्गाप्रसाद कोमलवार जनशिक्षक
जनशिक्षा केंद्र HSS बादलपार कुरई सिवनी

सीखना सिखाना एक सतत एवं व्यापक रूप से जीवन पर्यंत चलने वाली प्रक्रिया है, शिक्षकों द्वारा बच्चों को कक्षा में कैसे सिखाना है, पाठ्यपुस्तकों एवं अन्य संसाधनों का प्रभावी उपयोग कैसे करना है, व्यवहारिक पाठ योजना कैसे बनाई जाए, ये सब CM राइज के कोर्स "सीखने के प्रतिफल पर समझ" के माध्यम से जानने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ है। यह कोर्स शिक्षकों के लिए बहुत ही मददग़ार सिद्ध होगा।

प्रदीप कुमार त्रिपाठी

शा. प्रा. वि. सिगुड़ी जिला उमरिया

प्रत्येक शाला को बच्चों के मन की शाला बनानी चाहिए, न कि प्रधानाध्यापक और शिक्षकों के मन की शाला। बच्चा स्कूल आए तो उसे मनोरंजन के साथ सीखने के अवसर मिलना चाहिए, जिसमें वह खेले भी और सीखे भी। पुस्तक का ज्ञान अधिकांश शिक्षक तो दे पाते हैं, लेकिन नैतिक मूल्यों का ज्ञान भी बच्चों को देना चाहिए बच्चा जोड़, घटाना, गुणा, भाग के सवालों को हल कर लेता है, मगर व्यवहारिक जीवन में जब उसे तर्क करना होता है, गणितीय सवालों को हल करना होता है, तो वह असफल हो जाता है। इसीलिए इस बात पर सभी शिक्षकों को चिंतन करने की जरूरत है। "हर बच्चा अपनी अभिव्यक्ति दे सकें यही है एक आदर्श शाला "

रेखा जैन सकलेचा
शा.प्रा.विद्यालय चौथखेड़ा नीमच

किसी शिक्षक की टिप्पणी छात्र तथा उसके माता-पिता के लिए ब्रह्म वाक्य की तरह होता है। हर बच्चा अपनी गति व रुचि अनुसार सीखता है। इसीलिए यदि कोई बच्चा दूसरे बच्चों की तुलना में धीमी गति से सीख रहा है, तो हमेशा याद रखें निर्णायक या आलोचनात्मक प्रतिक्रिया देने से परहेज करें, उसकी दूसरी विशेषताओं पर उत्साह जनक टिप्पणी करते हुए उसे सिखाने के निरंतर प्रयास करते रहें।

नम्रता तिवारी,
शा. प्रा. शाला पगना जिला अनूपपुर

"जब बच्चे कक्षाओं में हों तो हमें कक्षा का वातावरण इस तरह रखना है कि बच्चे बिना झिझक के अपनी बात शिक्षक से कह सकें।" हमारी दृष्टि ऐसी हो कि हम अपने बच्चों के चेहरों को पढ़ सकें। हम शिक्षकों और बच्चों के बीच डर या झिझक का कोई भी स्थान नहीं होना चाहिए।

आरती चौबे
शा. मा. शाला पांज जिला राजगढ़

वर्तमान समय शैक्षिक गतिविधियों के संदर्भ में शिक्षक और बच्चे दोनों के लिए कठिन चुनौतियों का समय है और ऐसे समय में CM Rise कार्यक्रम अंतर्गत चल रहे दूरस्थ शिक्षण प्रशिक्षण कोर्स ने हमें शिक्षण सुरक्षा कवच की जानकारी देकर अपने शिक्षण को और प्रभावी तरीके से योजना बनाकर क्रियान्वित करने में बहुत मदद की है। अब मोबाइल इंटरनेट से वंचित बच्चे भी कोरोना से सुरक्षित जगहों पर मोहल्ला क्लास और समुदाय की सहभागिता से अपना अध्ययन जारी रख पाएंगे।

सीमा इजाज
शा. क. मा. शा. स्टेशन रोड जिला भोपाल

सभी बच्चे एक जैसे नहीं होते। कुछ बच्चे स्वयं कक्षा के अंदर या बाहर सीख जाते हैं, कुछ जल्दी सीखते हैं, कुछ देर से। लेकिन सभी बच्चे तब पढ़ते हैं, जब वे इसके लिए तैयार हों। पढ़ने का तरीका भी सभी का अलग-अलग होता है। कुछ कविताओं को याद करके पढ़ना सीखते हैं, कुछ पढ़ा गया सुनकर पढ़ने लगते हैं, कुछ दीवारों पर लिखे वाक्यों से पढ़ना सीखते हैं। इसीलिए कक्षा में उन सब गतिविधियों को स्थान देना चाहिए जो बच्चों की रुचि अनुसार सीखने में सहायक है। बजाय इसके की समस्त बच्चों हेतु एक ही गतिविधि आयोजित करें।

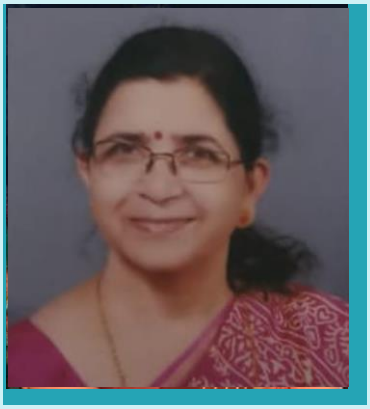

पूर्णिमा पंडित
डाइट इंदौर

एक सामान्य शिक्षक केवल शिक्षण करता है, लेकिन एक अच्छा शिक्षक बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित करता है। अतः बच्चों को सहज रूप से सिखाने के लिए उनके प्रेरणास्रोत बनिए थोड़ा रुकिए, चिंतन कीजिए। जब हम भी विद्यार्थी थे तब हमारे शिक्षकों ने भी हमें सीखने के लिए प्रेरित किया था। वह हमारे प्रेरणा स्रोत थे, रोल मॉडल थे। हम भी बच्चों के प्रेरणास्त्रोत बनें सृजन को नई दिशा दें।

गिरीश कुमार शर्मा
एपीसी अकादमिक उज्जैन

शिक्षक के जीवन में व कक्षा कक्ष में कई बार ऐसी विषय परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती है कि उसे चिंताएं घेर लेती हैं, किंतु वह उस समय चिंतन का रास्ता अपनाते हुए उत्पन्न परिस्थितियों के लिए वह मार्ग खोज ही लेता है। चिंतन, कोर्स में बिल्कुल सटीक रूप से चिंतन के सहारे किस प्रकार किसी समस्या का निराकरण किया जाए, बताया गया है। वास्तव में यह कोर्स शिक्षक को स्वयं को परखने व कक्षा शिक्षण में शिक्षकों की सोच में परिवर्तन करने में सहायक है। मुझे यह कोर्स बहुत अच्छा लगा।

ज्योत्सना वर्मा शा. क. मा. शा. छिंदगांवमेल टिमरनी
जिला हरदा

एक अच्छा शिक्षक बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित करता है। अतः बच्चों को सहज रूप से सीखने - सिखाने के लिए उसका प्रेरणा स्रोत बनना आवश्यक है जब हम विद्यार्थी थे तब हमारे शिक्षकों ने भी हमें सीखने के लिए प्रेरित किया था। वह भी हमारे प्रेरणा स्रोत थे| आइए हम भी बच्चों के प्रेरणास्रोत बनें और बच्चों की आवश्यकताओं और सपनों को पूरा करने की कसौटी पर खरा उतरें।

स्वाति पंचोली प्रा. शा. तिलावद
तराना, जिला उज्जैन

प्रकृति के परिवर्तनों और चुनौतियों के साथ अनुकूलन मानव जाति की सबसे बड़ी शक्ति रही है। इसी जीविका का उपयोग कर हम कोरोना काल के इस चुनौतीपूर्ण समय में भी 'हमारा घर हमारा विद्यालय' तथा CM Rise के कोर्स 'दूरस्थ शिक्षण' के माध्यम से बच्चों तक शिक्षा की पहुंच को सुनिश्चित कर रहे हैं। अब पढ़ाई नहीं रुकेगी

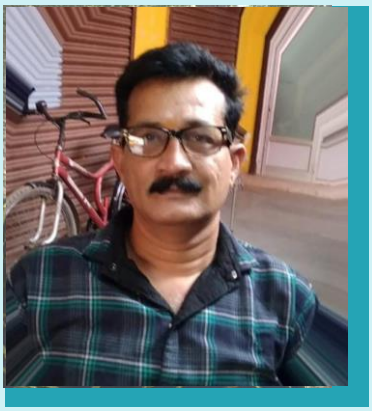

सुरेन्द्र रिछारिया (मा. शि.) BRC
जनपद शिक्षा केंद्र शाह नगर जिला पन्ना

CM-राइज प्रशिक्षण, कोविड-19 के इस संकट काल में न केवल शिक्षकों को शिक्षण में डिजिटल क्रांति के नवीन सोपान गढ़ने प्रोत्साहित कर रहा है, अपितु प्रशिक्षण की श्रमसाध्य मशीनी, समयाभाव से ओतप्रोत व खर्चीली, परंपरागत प्रशिक्षण पद्धतियों के दायरे से बाहर लाकर, प्रशिक्षण में नवाचार व मितव्ययिता की मिसाल भी पेश कर रहा है।

अंजना आदर्श
प्रा.शा.भीमसी जिला देवास

CM Rise प्रशिक्षण दूरस्थ शिक्षण हमारे लिए बहुत ही लाभदायक सिद्ध हो रहा है। DigiLEP मैं हमें उन बच्चों तक पहुंचने एवं शिक्षण से जोड़ने में समस्या आ रही थी, जिनके पास सीखने के पर्याप्त साधन नहीं थे| दूरस्थ शिक्षण प्रशिक्षण के विभिन्न माध्यम डिजिटल संसाधन, सार्वजनिक संचार माध्यम, प्रिंट सामग्री व समुदाय की सहभागिता से हम सभी बच्चों को पढ़ाई से जोड़ पा रहे हैं। इसमें सहज तरीके से बताया गया है, कि कैसे हम बच्चों की जानकारी तालिका का निर्माण एवं शिक्षण सहायता योजना का निर्माण करें। इसमें सभी समस्याओं को वर्गीकृत करते हुए उनका समाधान भी प्रदान किया गया है। इसका व्यवहारिक उपयोग हमारा घर हमारा विद्यालय में किया जा सकेगा।

पंकज शर्मा एपीसी अकादमिक
जिला शिक्षा केंद्र मुरैना

बच्चों के लिए 'क्लासरूम' और उनके शिक्षक सिर्फ एक कमरा, एक इंसान भर नहीं होते अपितु वे उनके विश्वास, उम्मीद और सपनों का केंद्र होते हैं। तो आइए अब समय की पुकार है जब हम शिक्षक डिजिटल लर्निंग, फोन कॉल, प्रिंट, टीवी और रेडियो जैसे समस्त माध्यमों का प्रभावी उपयोग करें और बच्चों की आशाओं और सपने पूरे करने की कसौटी पर खरे साबित हो।

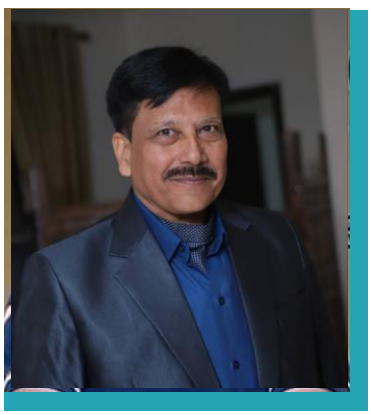

रूपेंद्र शाह व्याख्याता
डाइट उज्जैन

हमारा घर हमारा विद्यालय प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद हम सभी शिक्षकों को ध्यान रखना है कि हमारे बच्चों तक, पालको और अन्य संसाधनों के माध्यम से पढ़ाई जारी रखने की मूलभूत जिम्मेदारी हमारी ही है इसके लिए हमें 4 स को ध्यान रखना होगा सब्र, समझ, समन्वय, समूह कार्य आशा ही नहीं विश्वास है कि इन चारों बातों का ध्यान रख हम निश्चित ही इस कार्यक्रम को अधिक से अधिक बच्चों और पालकों तक पहुंचाएंगे और इस कठिन समय में "अब पढ़ाई नहीं रुकेगी" की भावना को सार्थक कर पाएंगे।

संध्या गौतम शा. मा. शाला मेदनीपुर जिला सतना

CM Rise डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, हम सरकारी स्कूल के शिक्षकों के लिए बहुत सहायक हैं क्योंकि इसके द्वारा हम सभी को इस विश्वव्यापी महामारी के दौरान भी अपनी शैक्षणिक क्षमताओं व कौशल को निखारने और घर बैठे अपनी गति अनुसार बहुत कुछ नया सीखने को मिल रहा है| साथ ही इसके माध्यम से इंटरनेट का सदुपयोग भी सीखा। इस सुविधा के लिए हमारे विभाग को बहुत-बहुत धन्यवाद

यादवेंद्र सिंह "सहायक शिक्षक" शा. मा. वि.कोठरा जिला सतना (म.प्र)

CM Rise डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण के सभी प्रशिक्षण शिक्षकों के लिए महत्वपूर्ण एवं प्रभावी साबित हो रहे हैं, लेकिन चिंतन एवं दूरस्थ शिक्षण शिक्षकों को आत्ममंथन करने के लिए प्रेरित करते हैं। आज के कोरोना काल के समय में शिक्षा को छात्रों तक पहुंचाने का जो तरीका दूरस्थ शिक्षण में समझाया गया है।वह बेहद प्रभावी रहा है| हम सभी शिक्षकगण लगातार प्रयासरत हैं, कि शिक्षा का क्रम अनवरत जारी रहे...

किरण पांडे प्रा. शिक्षक शा. प्रा. शाला पटना जिला रीवा (म.प्र.)

कोरोना की इस महामारी के कारण जन-जीवन बहुत प्रभावित हुआ है। इससे हमारी शिक्षा व्यवस्था पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा । इस समय हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती थी हमारे बच्चों के पास पहुंचना और उनकी शैक्षिक गतिविधियां निरंतर जारी रखना | ऐसी स्थिति में CM Rise डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण सभी शिक्षकों के लिए एक प्रभावशाली माध्यम के रूप में सामने आया जिसके विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से हमें इस चुनौती का सामना करने की शक्ति मिली और सही मार्गदर्शन प्राप्त हुआ ।

संतोष धनवारे BAC नसरुल्लागंज सीहोर

CM Rise प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षक अपनी भूमिका को जानकर, अपनी गति से सीखकर, बुनियादी शिक्षा से आधुनिक शिक्षा की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। यह प्रशिक्षण सभी शिक्षकों के चिंतन, शैक्षिक क्षमताओं और समाज के लिए अच्छा नागरिक बनने की परिकल्पना को बल देने के लिए मील का एक पत्थर साबित हो रहा है। अपने स्वयं के अनुभव के आधार पर मैं सभी सम्माननीय शिक्षक साथियों से निवेदन करूंगा की सीखने की इस नई दुनिया का पूरी निष्ठा व लगन से अनुभव प्राप्त करें और उसे दूसरों से अवश्य साझा करें क्योंकि वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत विभाग द्वारा हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम शुरू किया गया है।

रेणु कछावा स. शिक्षिका
उत्कृष्ट प्रा. वि. खंड्याखाल विकासखंड - रामा जिला झाबुआ

C M Rise डिजिटल शिक्षण प्रशिक्षण ने हमें सिखाया कि कैसे विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल परिस्थितियों में बदला जाता है। अगर कोरोना हमें विद्यालय जाकर शिक्षा प्रदान नहीं करने देगा तो हम घर-घर शिक्षा ले जाएंगे। घर को विद्यालय बनाएंगे सीएम राइज प्रशिक्षण ने शिक्षा तकनीकी और नई सोच का बहुत ही खूबसूरत और रोचक मिश्रण बनाया है।

प्रसन्न कुमार जैन प्रा. शि.
शा. प्रा. वि. ग्यारसपुर JSK अथाईखेड़ा जिला अशोकनगर

लॉकडाउन के समय से ही मोबाइल, रेडियो, टीवी आदि संसाधनों से जमीनी स्तर पर इन प्रतिकूल परिस्थितियों में बच्चों के शिक्षण में आ रही परेशानियों का शिक्षकों को सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में CM Rise प्रशिक्षण द्वारा इन समस्याओं को बड़े ही सहज व सरल तरीके से हल कर समझाया गया है, जो सराहनीय कार्य है।

डॉ ब्रम्हश्री तिवारी मा. शि.
शा. हाई स्कूल रामनई रायपुर कर्चुलियान रीवा

कोरोना वैश्विक महामारी परिदृश्य में हम शिक्षकों के सामने अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करने और कुछ नया सीखने की राह में एक बड़ी बाधा बन कर उभरा। इंटरनेट पर काफी सामग्री मिली पर यह तय करना कि कौन सी सामग्री हमारे कौशल में वृद्धि करेगी मुश्किल लग रहा था पर यह सब आसान किया CM Rise के प्रशिक्षणों ने। कार्यक्रम के विभिन्न कोर्स में सहभागिता करना, विद्यार्थियों की समझ विकसित करने के विभिन्न तरीकों को जानना, स्वयं के कौशल विकास हेतु हम शिक्षकों के लिए सीखने की यात्रा में अति महत्वपूर्ण और रोचकता से ओतप्रोत कर देने वाला है।

अस्मिता निगम प्राथमिक शिक्षक प्रा. वि. चन्वाडा
(धार)

हम आज ऐसे परिवर्तनशील संसार में रह रहे हैं, जो नित नई संभावनाओं से भरा है। ऐसे में नए कौशलों का विकास एक सुखद अनुभव देता है। ज्ञान के निर्बाध प्रसार को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से CM Rise ऑनलाइन प्रशिक्षण, शिक्षक व विद्यार्थियों के लिए रामबाण सिद्ध हुआ है। कोरोना काल में यह माध्यम शिक्षकों और विद्यार्थियों के अंदर जिम्मेदारी और खुद सीखने का गुण विकसित करेगा।

मुकेश कुमार रघुवंशी मा. शिक्षक
शा. मा. शाला बांसखापा जिला होशंगाबाद

हमारा घर हमारा विद्यालय कार्यक्रम आज के परिवेश में विद्यार्थियों को स्वयं की अधिगम की गति एवं क्षमता अनुसार दिशा प्रदान करने का सटीक एवं सरल रास्ता है। इससे शिक्षक सामाजिक दूरी बनाते हुए भी समाज एवं विद्यार्थी से जुड़े रह पाएंगे। इस कार्यक्रम को धरातल पर उतारने की समझ हमें CM Rise प्रशिक्षणों के माध्यम से ही मिली है। ये प्रशिक्षण वर्तमान समय और आवश्यकताओं के अनुरूप ही हैं।

गिरजा प्रसाद जायसवाल
प्रा. शा. कटकहवा टोला ढोढिटोला कुम्हिया
जिला सिंगरौली

हमारा घर हमारा विद्यालय ऐसा कार्यक्रम है। जो बच्चों को उनके घर पर सुरक्षित रखते हुए उन्हें अध्ययन करने में मदद कर रहा है। कार्यक्रम के प्रभावी संचालन हेतु एक मार्गदर्शक के रुप में हमें CM Rise शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है। इसे करने से हम शिक्षक बच्चों और पालकों को सहयोग करने में खुद को सक्षम पा रहे हैं। CM rise प्रशिक्षण ने वर्तमान समय के सभी शैक्षिक प्रयास रूपी मोतियों को एक माला में पिरोने का सफल प्रयास किया है।

वंदना परमार प्रा. वि. भालोट
जिला मंदसौर

वर्तमान समय में हम कोरोना जैसी विकराल समस्या का सामना कर रहे हैं शिक्षा के क्षेत्र में इस चुनौती से निपटने के लिए शिक्षक और छात्र के बीच की दूरी को कम करने हेतु CM Rise दूरस्थ शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत हमारा घर हमारा विद्यालय कार्यक्रम के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से हमें हर बच्चे तक पहुंचने और पालकों का सहयोग प्राप्त करने हेतु नई दिशा मिली है।

निधि चतुर्वेदी शा. प्रा.शाला रॉबर्ट
लाइन विकासखंड एवं जिला कटनी

वर्तमान आपदा कोरोना ने शिक्षा जगत की कई मूलभूत समस्याओं से उबरने के अवसरों का सृजन कर दिया है। जिसमें हमारा घर हमारा विद्यालय कार्यक्रम मैं बच्चों से उनके पालकों का शिक्षा को लेकर जुड़ाव और शिक्षकों द्वारा सी एम राइज प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी का रचनात्मक उपयोग प्रमुख है। हमें लगता है कि बालकों का बच्चों की शिक्षा में सहयोग और शिक्षा में तकनीकी का उपयोग शिक्षा की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नितिन परसाई माध्यमिक शिक्षक
मा. शा. अजनेरी विकासखंड सुहागपुर जिला होशंगाबाद

CM Rise कार्यक्रम के अंतर्गत 'बच्चों और पालको से प्रभावी बातचीत' कोर्स प्रशिक्षण छात्रों और पालकों से शिक्षकों के प्रभावी संबंध स्थापित करने की दिशा में एक रचनात्मक प्रयास है। यह प्रशिक्षण छात्रों के शिक्षकों के प्रति अगाध विश्वास और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को प्रभावी रूप से व्यक्त करता है।

ओम प्रकाश कुर्मी शा. बा.मा.शाला सोडलपुर टिमरनी, जिला हरदा

सीखना-सिखाना एक अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है। शिक्षक के लिए यह बात विशेष मायने रखती है। वर्तमान समय में इस महामारी के परिप्रेक्ष्य में यह बात और भी महत्वपूर्ण हो जाती है । अतः शिक्षक की भूमिका हो, चिंतन हो, दूरस्थ शिक्षण या हमारा घर हमारा विद्यालय, CM Rise के यह सभी कोर्स शिक्षकों को इस परिस्थिति में कार्य करने में सहयोगी साबित हुए हैं।

चैताली चक्रवर्ती प्रभारी प्रधान अध्यापक EPES रानी बाग़ जिला पन्ना

आकलन को मोटे तौर पर परीक्षाओं में सफलता या विफलता से सम्बद्ध किया जाता है, परन्तु CM Rise प्रशिक्षणों की क्रमबद्धता ने हम शिक्षकों को आकलन के विभिन्न सकारात्मक पहलुओं से परिचय कराया और प्रेरित किया। Covid 19 के प्रकोप के दौरान भी शिक्षण कार्य को सफलता पूर्वक एवं प्रभावी रूप से सम्पादित किया जा सकता है। इस हेतु CM Rise कुशल मार्गदर्शक एवं पथ प्रदर्शक की भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

अशोक कुमार बाजपेई सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला गाडामोड खुर्द हरदा

एक शिक्षक हर परिस्थिति में अनवरत चलने वाली शिक्षा की प्रक्रिया को पूर्ण करता है और अपने दायित्व को पूर्ण करने के लिए छात्रों से संपर्क बनाए रखता है, क्योंकि वह जानता है कि दुनिया के सारे संसाधन मिलकर भी शिक्षक की जगह नहीं ले सकते हैं । इस कोरोना महामारी के समय में इन संसाधनों का उपयोग करके शिक्षा को अनवरत रखना एक कठिन चुनौती पूर्ण कार्य था। इन चुनौतियों को स्वीकार कर कार्य करने में CM Rise ने शिक्षकों को उचित मार्गदर्शन प्रदान किया है । जिससे शिक्षा के कार्य को अनवरत चलाने में शिक्षक सक्षम हुए हैं।

आनंद दुबे बी ए सी जनपद शिक्षा केंद्र मेहदवानि जिला डिंडोरी

कोविड-19 आपदा के समय CM Rise कार्यक्रम अध्यापकों के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। हमारा घर हमारा विद्यालय कार्यक्रम के तहत शिक्षक पालक एवं छात्र छात्राओं को सीखने सिखाने के दौरान अपने अनुभव पर विचार करने का एक नया अवसर देता है।

आनंद नेमा सहायक शिक्षक शा.क. मा. शाला बौछार विकासखंड गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर

एक शिक्षक का निरंतर अध्ययनशील होना अत्यंत आवश्यक होता है। कोरोना काल में यह प्रक्रिया बाधित हो रही थी किंतु इसकी पूर्ति CM Rise कार्यक्रम से निरंतर हो सकी। यह एक बेहतर महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसमें इस महामारी से संबंधित दिशा निर्देशों के पालन करते हुए हम अपने ज्ञानार्जन को सतत बनाए हुए हैं।

गंगा प्रसाद शर्मा सहायक शिक्षक एकीकृत मा. शा. तिदुनहाई विकासखंड गुनौर जिला पन्ना

CM Rise प्रशिक्षण - बच्चों और पालकों से प्रभावी बातचीत करने पर अनुभव हुआ कि हमारे और पालकों के बीच जो दूरी है उसे खत्म करने के लिए हमें सकारात्मक भाव से प्रयास करना होगा जिससे हम बच्चों की मूलभूत दक्षताओं को बनाए रखने में सफल हो और इस में निरंतर वृद्धि करते रहें। उक्त प्रशिक्षण का उद्देश्य पालक और शिक्षक के बीच सेतू सा प्रतीत होता है।

अविनाश वाघेला एपीसी (A) जिला शिक्षा केंद्र अलीराजपुर

CM Rise कोर्स - 7 शिक्षकों व पालकों की साझेदारी - बच्चों की प्रथम पाठशाला उसका घर व प्रथम शिक्षक उसके पालक होते हैं। यह कोर्स इसी तथ्य की बुनियाद पर आगे बढ़ते हुए हमें यह सिखाता है कि किस तरह शिक्षक व पालक मिलकर बच्चों को घर पर ही सीखने हेतु सहायता कर सकते हैं। इस कोर्स में हर उस पहलू को बखूबी बताया गया है जो एक पालक व शिक्षक के लिए सहायक है। यदि शिक्षक व पालक अपनी भूमिका का निर्वहन इस कोर्स में बताए अनुसार करने लगे तो हर कोई कहने लगेगा - अब पढ़ाई नहीं रुकेगी।

शकीला खानम प्रा. शि. प्रा. वि. रपट रोड जावरा जनशिक्षा केंद्र काटजू हाई स्कूल जावरा जिला – रतलाम

शिक्षा मानव जीवन का सबसे अहम हिस्सा है । आज की नई परिस्थितियों में CM - Rise डिजिटल प्रशिक्षण के माध्यम से हमारा घर हमारा विद्यालय जैसी योजना का बेहतर संचालन करने हेतु सशक्त माध्यम उपलब्ध कराया गया है। जिसमें स्कूल, शिक्षक, छात्र और पालक की समान भूमिका रखी है। परिणाम स्वरूप बच्चों की शिक्षा को सुगम रोचक और सहनशील बनाने में मदद मिल रही है।

मनोज कुमार व्यास सहायक शिक्षक शा. मा. शा पढ़ली जिला-सीहोर

CM Rise डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों में एक नवीन ऊर्जा का संचार हुआ है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण प्राप्त करने का सुखद अनुभव भी प्राप्त हो रहा है और विषय के परिचय से लेकर कोर्स सामग्री शिक्षण एवं मूल्यांकन की एक प्रभावी योजना को शिक्षकों ने आत्मसात किया है, जिससे हमारा मनोबल तो बड़ा ही है, साथ ही कुछ अच्छा करने और कुछ अच्छा सीखने के लिए CM Rise डिजिटल प्लेटफॉर्म सहायक मित्र के रूप में दिखाई देता है।

अजय कुमार मेहरा प्रा. शिक्षक शा. प्रा. शाला रामखेड़ी जनशिक्षा केंद्र करपगांव विकासखंड चीचली, जिला नरसिंहपुर

CM Rise कार्यक्रम द्वारा प्रदान किया गया प्रशिक्षण "बच्चों और पालकों से प्रभावी बातचीत" ने ही हमें पालको और बच्चों से जुड़कर प्रभावी एवं सकारात्मक संवाद करने में सफलता प्रदान की है, जिससे हम बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उनकी समस्याओं, कठिनाइयों को दूर करने में सफल हो रहे हैं, साथ ही बालकों के साथ सकारात्मक बातचीत द्वारा भी अपनी बातों को पालकों को समझाने में सफल हो रहे हैं। यह संवाद हमें हमारा घर हमारा विद्यालय कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी साबित हो रहा है।

शैलेंद्र कुमार जोशी सहा. शिक्षक मा. वि. बड़ाकुआ, मनासा जिला -नीमच

आज पूरी दुनिया कोरोना महामारी से ग्रसित है। इसका हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव दिखाई दे रहा है। ऐसे में यह प्रशिक्षण हमारे अपने जीवन में बदलाव लाने और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में हमारी मदद करेगा।

दिनेश तमखाने प्रा. प्रा. शि.
प्रा. शाला बिचपूरीमाल
विकासखंड खिरकिया जिला हरदा

प्रयास करने से असंभव कार्य भी संभव हो जाता है, ऐसा ही प्रयास हमारे शिक्षक साथियों द्वारा शिक्षकों और पालकों की साझेदारी प्रशिक्षण पूर्ण करने के पश्चयात पालकों से संपर्क कर उन्हें शिक्षकों की भूमिका मे लाकर किया जा रहा है| कोरोना महामारी के चलते प्रदेश में सभी शालाएं बंद हैं, इस दौरान CM Rise के हमारा घर हमारा विद्यालय, बच्चों और पालकों से प्रभावी बातचीत एवं शिक्षक और पालकों की साझेदारी आदि प्रशिक्षणों से सीख एवं मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए उसी के अनुसार हमारे द्वारा बच्चों के घर और मोहल्ले में विद्यालय जैसा वातावरण तैयार कर शिक्षण कार्य संपन्न करने में सहयोग प्राप्त हो रहा है।

अशोक कुमार विश्वकर्मा बी ए सी जनपद शिक्षा केंद्र
गुनौर जिला पन्ना

CM Rise कार्यक्रम शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने कौशलों में वृद्धि करने का उत्तम मंच है। यह शिक्षकों के लिए तैयार किया किया गया प्रभावशाली एवं कारगर कार्यक्रम है। शिक्षक अपनी सुविधानुसार मोबाइल/कंप्यूटर पर अपने अनुकूल समय में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। कहीं जाने की आवश्यकता नहीं, बस डायरी पेन लीजिए और आसानी से अपना प्रशिक्षण पूर्ण कर अपने ज्ञान और कौशल को समृद्धि कीजिए।

महेंद्र कुमार पटेल जनशिक्षक उ.बा. शाला रायपुर
कर्चुलियान रीवा

कोरोना महामारी के चलते जहाँ अध्यापन हेतु कुछ नजर नही आ रहा था, यह भी समझ नही आ रहा था कि हम शिक्षक कैसे बच्चों तक पहुचेंगे ऐसे संशय की स्थिति में CM राइज डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षणों ने हमारा मार्ग प्रशस्त किया। परिणाम स्वरूप आज शिक्षक एवं बच्चों के बीच सीधा संवाद एवं संपर्क स्थापित हो सका है।

प्रमोद गुप्ता प्रा. शि. एकीकृत शा. उ. मा. वि.
ज्योतिनगर संकुल - शा उ मा वि क्र 02 शाजापुर

वर्तमान समय में कोविड-19 के दौरान हम सभी के मानसिक स्वास्थ्य पर और हमारी भावनाओं पर बहुत ही विपरीत प्रभाव पड़ा है। ऐसे में CM-Rise कार्यक्रम के तहत मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित जो शिक्षक प्रशिक्षण की श्रंखला प्रारम्भ की गई है, उससे निश्चित रूप से इस समय की विपरीत परिस्थितियों में हमें अपने मानसिक स्वास्थ्य और भावनाओं को मजबूती प्रदान करने में सहायता मिलेगी।

जी के दुबे बी ए सी
ब्यावरा राजगढ़

शिक्षक और पालकों की साझेदारी प्रशिक्षण के माध्यम से हमें पालकों के साथ साझेदारी कर उन्हें शिक्षक की भूमिका में लेते हुए संसाधनों व शिक्षण सामग्री के उपयोग की बेहतर समझ प्राप्त हुई है। अब बारी हमारी है, कि हम अपने प्रशिक्षण व स्वयं के अनुभव के सम्मिलित प्रयासों से किस प्रकार अपनी शाला के बच्चों के लिए इस कठिन परिस्थिति में सहज व प्रभावी वातावरण निर्माण कर सकें| यह महत्वपूर्ण होगा कि कक्षा का वातावरण बच्चों को अपने घर या घर के समीप ही छोटे समूह में प्राप्त हो सके और इसमें सामुदायिक सहभागिता से लक्षित सीखने सिखाने की प्रक्रिया सतत रूप से जारी रहे।

महेश प्रसाद शर्मा प्राथमिक शिक्षक शा. प्रा. शा.
दहलवाड़ा
वि. खं. बाड़ी जिला रायसेन

बच्चों और पालकों से प्रभावी बातचीत प्रशिक्षण कार्यक्रम आज की परिस्थितियों में विद्यार्थियों एवं पालकों से सहज संबंध बनाने को दृष्टिगत रखते हुए अति महत्वपूर्ण है। जिसमें शिक्षक अपनी बात के प्रभाव से सकारात्मकता का समावेश कर सकेंगे| भ्रमण के दौरान पालको एवं छात्रों का मार्गदर्शन कर कार्यक्रम को त्वरित गति प्रदान करने में सक्षम हो सकेंगे।

गोविन्द सिंह मीणा
जनशिक्षक-पिपलानी ,जिला- सीहोर

एक शिक्षक के विचार- मेहनत कभी बेकार नहीं जाती, यह विश्वास ही हमें आगे बढ़ने और निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है, हमारा हर प्रयास हमें सफलता की ओर एक कदम आगे बढ़ाता है, और हम जैसे - जैसे आगे बढ़ते हैं, वैसे-वैसे हमारे लिए सफलता के रास्ते खुलते जाते हैं। जिस प्रकार वर्तमान समय में CM Rise डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण शिक्षकों के लिए संचालित हो रहे हैं, इनके सहयोग से प्रारंभ के कठिन प्रयासों के बाद आज पूरे प्रदेश के शिक्षकों द्वारा बच्चों को घर-घर जाकर मूलभूत शिक्षा प्रदान करने में सहयोग प्राप्त हो रहा है, जो एक अलग ही नवाचार है। इसीलिए कहा गया है, जो व्यक्ति स्वयं पर विश्वास नहीं करता वो ज्यादा देर तक प्रयास नहीं करता और जब वह प्रयास नहीं करता तो दूर से उसे सफलता के सभी रास्ते बंद नजर आते हैं, क्योंकि सफलता के रास्ते हमारे लिए तभी खुलते हैं, जब हम उसके बिल्कुल करीब पहुंच जाते हैं। अतः स्वयं पर विश्वास रखिये ओर निरंतर प्रयास करते रहिए।

मनीषा श्रीवास्तव प्राथमिक शिक्षक
शासकीय हाई स्कूल रामनई जिला रीवा

कोविड-19 महामारी के समय में CM Rise- डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण हम शिक्षक साथियों के लिए एक बेहद आसान विकल्प साबित हो रहा है। जिससे हम कम समय में अपनी सुविधा के अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने व्यवसायिक कौशलों को बढ़ा सकते हैं। हमें इस प्रशिक्षण प्रक्रिया में विचारों का प्रवाह अन्य पारंपरिक प्रशिक्षणों की तुलना में ज्यादा व्यवस्थित लग रहा है।

प्रकाश चन्देल BRC
जनपद शिक्षा केन्द्र नगर – 2 जबलपुर

सीएम राइज कार्यक्रम अंतर्गत ऑनलाइन डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण शिक्षकों के शैक्षणिक कौशल विकास के साथ-साथ कार्यक्षेत्र में आ रही अनेक कठिनाइयों का सरल समाधान प्राप्त करने का मार्ग भी दिखा रहा है, जिससे शिक्षक शैक्षिक, मानसिक, बौद्धिक व भावनात्मकरूप से अधिक सक्षम व समर्थ बन रहे हैं। सीखने के प्रतिफल परिणाम पर समझ एवं पाठ्यपुस्तकें शिक्षकों की मित्र कोर्स अद्वितीय हैं। आवश्यक है कि हम सभी शिक्षक इन प्रशिक्षणों को पूर्ण कर अपनी डायरी में नोट बनायें और इन्हें अन्य शिक्षकों के साथ साझा करते रहें।

गोपाल कौशल शासकीय नवीन प्रावि नयापुरा

माकनी विखं बदनावर जिला धार म.प्र.

एक प्रभावी शिक्षक वह है जो बच्चों की रुचियों, आवश्यकताओं, मानसिक स्तर, अभिवृद्धि आदि को ध्यान में रखकर कक्षा-कक्ष में उचित वातावरण का निर्माण करे और बच्चों को आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित करे, उन्हें अवसर प्रदान करे ताकि बच्चे हमें प्रतिफल के रुप में सकारात्मक सफलता प्रदान करें और हमारे चिंतनशील शिक्षण और आत्मविश्वास को और सुदृढ़ करें।

श्री तिवारी

SRG विज्ञान शा.पू.मा.वि.कुंदहरीकलां ब्लाक उचेहरा सतना

CM RISE Digital शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, कोविड-19 वैश्विक महामारी की विषम परिस्थिति में भी शिक्षण की गुणवत्ता व निरंतरता बनाए रखने हेतु शिक्षक और छात्र दोनों के लिए एक आशीर्वाद के समान है। यह सोशल डिस्टेंसिंग बरकरार रखते हुए अभिभावकों के सहयोग से घर में ही विद्यालय जैसे माहौल में, दूरस्थ शिक्षण तथा छात्र संपर्क द्वारा डिजिटल माध्यम से जुड़े बच्चे व अन्य बच्चों के बीच पढ़ाई को सुचारु रुप से चालू रखने में हमारा पथ-प्रदर्शक सिद्ध हो रहा है।

गजेन्द्र मेश्राम स. शि. शा.मा.वि. बा., जनशिक्षाकेन्द्र/संकुल शा.उ.मा.वि.पल्हेरा विकासखण्ड/जनपद शिक्षा केन्द्र बिरसा जिला बालाघाट

शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए सीमित संसाधनों को अधिक समावेशी तथा अपने समुदाय और अपनी कक्षा के अनुरूप शिक्षण प्रक्रिया को उपयुक्त बनाना जरूरी होगा। याद रखें, सिर्फ अभ्यास ही वो क्रिया है, जो आपको सफलता की ओर ले जाती है। हम शिक्षक यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं कि सभी बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में भली-भाँति भाग लेने हेतु अवसर और सहायता मिले। तब हम कह सकेंगे कि अब पढ़ाई नहीं रुकेगी।

सत्यम नेमा स. शिक्षक EPES पिपरिया मुशरान जन शिक्षा केन्द्र करकबेल गोटेगांव जिला नरसिंहपुर

इन विपरीत परिस्थितियों में विद्यालय बंद रखना है। ऐसे में बच्चे का घर में रहकर पढाई करने का बेहतर विकल्प "हमारा घर, हमारा विद्यालय" है । इस योजना के सफल क्रियान्वयन में CM Rise प्रशिक्षण की श्रृंखला से शिक्षक वर्तमान चुनौतियों से सामना करते हुए निरंतर अपने पथ पर आगे बढ़ रहे हैं, ये प्रशिक्षण शिक्षक को प्रोत्साहित कर उत्साह और प्रेरणा प्रदान कर नन्हें - मुन्हें के आंगन में ज्ञान का दीपक प्रज्वलित करने में मददगार साबित हो रहे हैं।

शैलेन्द्र कुमार तिवारी मा. शि.
शा. मा. जिज गांव जनशिक्षा केंद्र- कमताना ब्लॉक – गुनौर जिला – पन्ना

"प्रशिक्षण" शब्द को सीएम राइज कार्यक्रम और दीक्षा एप ने सार्थक किया है। शांत वातावरण में सुविधानुसार समय पर प्रशिक्षण के मूल तत्वों को हम शिक्षक आत्मसात कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण से शिक्षकों की क्षमताओं में सूक्ष्मता से गुणवत्तापूर्ण सुधार हो रहा है।

जगदीश पाटीदार जनशिक्षक
जनशिक्षा केन्द्र शाकउमावि आगर जिला आगर मालवा

वर्तमान में शिक्षक प्रतिदिन बच्चों के घर जाकर संपर्क कर रहे हैं, गृह संपर्क के दौरान बच्चों तथा पालकों से शिक्षक का संवाद सार्थक रूप से स्थापित हो तथा शिक्षक पालकों के सहयोग से बच्चों को कम समय में गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान कर सकें इसके लिये CM RISE प्रशिक्षण सशक्त माध्यम है ।

भारतराम पाटीदार सहायक शिक्षक

शासकीय हाई स्कूल लोड़किया नीमच

जिस तरह शरीर के लिए आहार, व्यायाम और विश्राम आवश्यक होता है, ठीक उंसी तरह से स्वाध्याय मन का आहार है। संकल्प मन का व्यायाम है। मन के व्यायाम से कोविड-19 के भय से चिंता व अवसाद दूर कर मन को नियंत्रित कर सकते हैं। मन को नियंत्रित कर बच्चों के साथ शैक्षिक गतिविधियाँ आसानी से सुचारू रूप से संचालित की जा सकती हैं।

सोबरन सिंह प्रा. शि.

शा. प्रा. विद्यालय हिम्मतपुर – दतिया

पालक ही बच्चों के पहले शिक्षक होते हैं, और घर ही बच्चों का पहला विद्यालय है, शिक्षक माता-पिता को घर में एक खुशहाल और सीखने के माहौल का निर्माण करने के लिए मार्गदर्शित कर सकते हैं। शिक्षक पालकों के साथ मिलकर बच्चों को प्रतिदिन की गतिविधियों में संलग्न कर सकते हैं। जो न केवल उनके और बच्चों के परिवार के बीच के संबंध को मजबूत बनाता है बल्कि शिक्षक और पालकों के बीच सफल साझेदारी सुनिश्चित करने के लिए संवाद भी स्थापित करता है।

संतोष शर्मा, सहायक शिक्षक
मा.शा. बरखेड़ी जिला- सीहोर

शिक्षक, कठिन से कठिन एवं विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी दक्षता और कौशल का लाभ अपने छात्रों तक कैसे पहुंचा सकता है, ये कोविड 19 के दौरान शिक्षक ने दिखा दिया है। CM Rise डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण ने शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाते हुए एक नया रास्ता दिखाया है और शिक्षकों के मन में उत्पन्न हुई शंकाओं का समाधान करके अपेक्षित परिणामों को प्राप्त करना सुगम कर दिया।

कैलाश भावसार, माध्यमिक शिक्षक
शासकीय हाई स्कूल बापचा बड़ोद
जिला आगर मालवा

मानसिक स्वास्थ्य किसी भी कार्य की सफलता का आधार है। यदि शिक्षक स्वयं और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के सभी पहलुओं का अवलोकन करे और अपनी तथा विद्यार्थियों की भावनाओं के प्रति जागरूक रह कर कार्य करे तो न केवल स्वयं के दैनिक जीवन को सकारात्मक बना सकता है बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

हरीश सेन प्रा.शिक्षक
शा.सेटे.प्रा.शाला मुबारकपुर वि.खण्ड- सिरोंज
जिला-विदिशा

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधारित CM Rise प्रशिक्षण अभी तक नवीन अनुभव प्रदान करने वाले रहे है। इसके प्रत्येक भाग सरलता एवं सहजता से विषयवस्तु का ज्ञान करवाते हैं। प्रत्येक कोर्स की समस्त विषयवस्तु में शिक्षक की रणनीति एवं शिक्षण के नए तरीके ओर शिक्षक को सतत रूप से प्रयास करने हेतु प्रेरित करना इसे बहुत प्रभावी बनाते हैं जो हमारे बच्चों और शालाओ के लिए बहुत उपयोगी साबित हो सकते हैं।

प्रकाश चन्देल BRC
जनपद शिक्षा केन्द्र नगर – 2 जबलपुर

सीएम राइज कार्यक्रम अंतर्गत ऑनलाइन डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण शिक्षकों के शैक्षणिक कौशल विकास के साथ-साथ कार्यक्षेत्र में आ रही अनेक कठिनाइयों का सरल समाधान प्राप्त करने का मार्ग भी दिखा रहा है, जिससे शिक्षक शैक्षिक, मानसिक, बौद्धिक व भावनात्मकरूप से अधिक सक्षम व समर्थ बन रहे हैं। सीखने के प्रतिफल परिणाम पर समझ एवं पाठ्यपुस्तकें शिक्षकों की मित्र कोर्स अद्वितीय हैं। आवश्यक है कि हम सभी शिक्षक इन प्रशिक्षणों को पूर्ण कर अपनी डायरी में नोट बनायें और इन्हें अन्य शिक्षकों के साथ साझा करते रहें।

शिवानंद तिवारी बीएसी
जनपद शिक्षा केन्द्र गंगेव,जिला-रीवा

कोविड-19 के इस कठिन दौर में सभी शिक्षकों को दीक्षा एप के माध्यम से दिये जा रहे CM Rise प्रशिक्षण के सभी भाग अत्यंत उपयोगी हैं। ये ऐसे प्रशिक्षण हैं जो वर्तमान परिस्थिति में बच्चों की पढ़ाई जारी रखने की स्पष्ट समझ विकसित करते हैं। शिक्षकों और पालकों की भागीदारी' के प्रशिक्षण को आत्मसात करने से हम शिक्षकों को कई समस्याओं का समाधान मिलता है। मानसिक स्वास्थ्य श्रंखला प्रशिक्षण हमारे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का संचार करने वाले हैं।

लक्ष्मण सिंह यादव BRC
जनपद शिक्षा केन्द्र विदिशा

CM राइज के सभी प्रशिक्षण बहुत ही प्रभावशाली रहे हैं। जिन्हें पूर्ण करने पर शिक्षकों के व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक कौशलों के स्तर में अवश्य ही प्रगति होगी और वर्तमान परिस्थिति में कार्य करने हेतु उचित मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा। वर्तमान में हमे अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाये रखने की प्रेरणा मानसिक स्वास्थ्य कोर्स श्रृंखला से प्राप्त हुई है। ये हमारे कार्य प्रदर्शन और कार्य की गुणवत्ता को और अधिक प्रभावशाली बनाएगा।

विजय शंकर द्विवेदी BAC
सिहावल जिला सीधी

वर्तमान समय में बच्चों की शैक्षिक गतिविधियों के सफल क्रियान्वयन में सीएम राइस डिजिटल प्लेटफॉर्म ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। जिस समय शिक्षक बच्चों तक पहुँचने और इनके शैक्षिक कार्य को प्रारंभ करने में पालकों के सहयोग की अपेक्षा कर रहे थे, उसी समय डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शिक्षकों के लिए कौशल संवर्धन हेतु प्रशिक्षण प्रारम्भ किये गये, जिसके माध्यम से शिक्षकों ने बच्चों, पालकों और समुदाय से संवाद स्थापित करने के सही तरीके जाने और उचित मार्गदर्शन प्राप्त किया परिणाम स्वरुप आज बच्चों की शैक्षिक गतिविधियाँ सफलता पूर्वक संचालित हो रही हैं।

राजेश चौधरी CAC उ.मा.वि.सिंगावदा जिला एवं वि.खंड - देवास

CM RISE डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत प्रत्येक कोर्स करने पर शिक्षकों को वर्तमान परिस्थितियों में कार्य करने के लिए उचित मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है, साथ ही वे स्वयं के जीवन मे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी महसूस कर रहे हैं। कोर्स में लिए गए कंटेंट बहुत ही सटीक एवं प्रभावी हैं, इन कंटेंट की सहायता से शिक्षक सीधे-सीधे कक्षाकक्ष में बच्चों की उपस्थिति बनाये रखने, बच्चों की मनोस्थिति को समझने, अपनी कक्षाकक्ष में शिक्षण की रणनीतियों को किस तरह से लागू करना एवं उन्हें किस तरह से कक्षाकक्ष एवं बच्चों की मनोस्थिति को समझ कर परिवर्तित करना है, इन सब के विषय मे चिंतन करने एवं उन्हें बच्चों के स्तर एवं उनकी आवश्यकता के अनुरूप ढालने में बहुत ही सहयोगी एवं सार्थक सिद्धि होंगे।

रामराज पाठक CAC जनशिक्षा केंद्र-श्यामरडांडा गुनौर जिला - पन्ना (मध्य प्रदेश)

वर्तमान समय में विश्व महामारी Covid 19 के बीच शिक्षा के क्षेत्र में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही CM Rise डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण और हमारा घर हमारा विद्यालय जैसी योजना शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही दूरदर्शिता को दर्शाती है क्योंकि ज्ञान के बारे में एक बात कही जा सकती है कि यह समय के साथ बदलने वाली चीज है। किसी क्षेत्र विशेष में होने वाले शोध व विचार-विमर्श से किसी क्षेत्र के विभिन्न आयामों के नए-नए पहलू हमारे सामने आते हैं, जिसके अनुसार हमें खुद को अपडेट करना होता है। अतः कहा जा सकता है कि ये योजनाएं विषम परिस्थिति में भी शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जिससे हमारा व हमारे बच्चों का भविष्य भी उज्जवल दिख रहा है।

अनिल ठाकुर प्रा. शि. शा.क. आश्रम खांखरा विकासखण्ड कुरई जिला सिवनी

विद्यार्थियों की उपलब्धि में सबसे अहम भूमिका शिक्षकों की होती है। एक प्रशिक्षित व कुशल शिक्षक द्वारा प्रदान किया गया मार्गदर्शन ही बच्चों को भविष्य में उपलब्धियों को प्राप्त करा सकता है। शिक्षक का शिक्षण कौशल और प्रेरणा दोनों ही बच्चे के जीवन में मायने रखती है और यह व्यक्तिगत रूप से लक्षित होती है।

महेश सोनी प्रा. शि.
PS गिरधरपुरा जिला राजगढ़ (ब्यावरा)

शिक्षक बालकों की योग्यता, क्षमता, रूचि, अभिरूचि आदि के अनुसार शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करता है। विद्यालय में किसी भी अकादमिक क्रिया को संपन्न कराने का दायित्व शिक्षक का होता है। वह छात्रों को ज्ञान व क्रिया का अधिगम कराने के लिए उचित वातावरण का निर्माण करता है, अतः शिक्षक को शिक्षण के सम्पूर्ण कौशलों में पारंगत होना आवश्यक है। CM राइज कार्यक्रम इन्हीं कौशलों के विकास में शिक्षकों के प्रशिक्षक की भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

शैलेंद्र आचार्य, ए पी सी अकादमिक
जिला मंदसौर

एक शिक्षक अपने विद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियो से कैसे संवाद स्थापित करे, CM Rise कार्यक्रम के माध्यम से यह सरल और सहज रूप से जान पाया है। बच्चों के साथ मानसिक और भावनात्मक जुड़ाव स्थापित करने में CM Rise कोर्सेज से बहुत सहायता मिलेगी।

अनुपम तिवारी स. शि.
शा.प्राथ. शाला तरवारा वि.ख.-गोटेगांव, जिला-नरसिंहपुर

एक शिक्षक ही है जो विषम परिस्थितियों में अपने आप को ढाल सकता है। इस वैश्विक महामारी की चुनौती भी स्वीकार कर अपने दायित्वों का निर्वहन बड़ी ईमानदारी और लगन से करते हुए छात्रों को मूलभूत शिक्षा प्रदान कर रहा है, CM राइज कार्यक्रम की दूरदर्शिता एवं समय की मांग अनुसार उपलब्ध प्रशिक्षणों की श्रृंखला एवं इन्हें पूर्ण कर इनसे मार्गदर्शन प्राप्त कर शिक्षक अपने कौशलों में वृद्धि करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन सफलता पूर्वक कर पा रहे हैं।

मनीष कुमार हुरमाडे बी ए सी
प्रभात पट्टन तहसील मुलताई, जिला बैतूल

वैश्विक महामारी के दौर में शिक्षकों के शैक्षिक कौशलों के विकास हेतु CM राइज प्रशिक्षण के विभिन्न चरणों के माध्यम से बहुत कुछ सीखने को मिला, जैसे हमारा शैक्षणिक दायित्व क्या होना चाहिए, विद्यार्थी व पालकों से हमारा सकारात्मक संवाद कितना महत्वपूर्ण है, शैक्षिक गतिविधियों में विद्यार्थी और शिक्षकों के अलावा पालकों का क्या दायित्व होना चाहिए तथा शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य शिक्षक एवं विद्यार्थियों के संदर्भ में कैसा होना चाहिए, इस प्रकार की समझ बन पाई है और साथ ही शिक्षक के व्यक्तित्व पहलुओं को मजबूत बनाने पर महत्वपूर्ण जानकारियां इन प्रशिक्षणों के माध्यम से सतत प्राप्त हो रही है।

यू.एस.मोगरे प्र. अ.
मा.शाला पातोंडा बुरहानपुर

डिजिटल प्लेटफार्म आधारित CM राइस प्रशिक्षण नवीन अनुभव प्रदान करने वाला रहा है, इसके सभी भाग सहज एवं सरल विषय वस्तु के साथ ज्ञानार्जन प्रदान कर रहे हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण इस कोविड 19 के समय में मानसिक स्वास्थ्य श्रृंखला भी रही, जिससे समस्त शिक्षकों एवं शिक्षक परिवारों को इसका लाभ प्राप्त हुआ। शिक्षक विषम परिस्थिति में अपने कार्यक्षेत्र में कार्य करते समय संक्रमित होने से भयभीत थे पर उक्त प्रशिक्षण से वे अपनी मानसिक स्थिति को मजबूत कर पाए और मानसिक विकारों से अपने आप को मुक्त रखने में सक्षम हुए हैं।

राजेश कानूनगो BAC
जनपद शिक्षा केंद्र खरगोन

सीखने के प्रतिफल क्या हैं और किसी "पाठ और विषय वस्तु" में कौन सा प्रतिफल प्राप्त किया जा सकता है। इस कोर्स के द्वारा विस्तार से समझा जा सकता है| यह समझ हमारे शिक्षक साथियों को अपनी कक्षा के अनुरूप शिक्षण योजना बनाने, सही आकलन करने और परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों की योजनाबद्ध अकादमिक प्रगति में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

मंजू पांडे मा. शि. शा. पूर्व मा. विद्यालय चोरगढ़ी

क्रमांक 1 रीवा.

इस वैश्विक महामारी के कारण हम शिक्षकों और छात्रों के बीच एक ऐसी अमिट दूरी बनती जा रही थी, जो पालको और शिक्षकों के लिए अत्यधिक चिंता का विषय था ऐसे समय में CM Rise डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण के द्वारा जो प्रशिक्षण दिए गए हैं, वे हर शिक्षक को जीवन बनाने के साथ-साथ कर्तव्य बोध कराने वाले थे। परिणाम स्वरूप आज हर शिक्षक का छात्र से सीधा संपर्क एवं संवाद स्थापित हो सका है।

दीपमाला दांगी

शा. प्रा. वि. दिलावरा जिला राजगढ़

डिस्टेंस लर्निंग के समय में डिजिटल उपकरण, संचार मीडिया, पुस्तक और परिवार/ समुदाय ने पियर लर्निंग हेतु शिक्षकों और छात्रों को प्रोत्साहित किया है| एक शिक्षक के रूप में उपरोक्त द्वारा मेरे बुनियादी कौशल सम्रद्ध हो पा रहे हैं स्कूल बंद होने की अवधि के दौरान भी संरचित शिक्षण सामग्री और समुदाय/पालकों की सहायता से बच्चों की पढ़ाई जारी है।

कमल सिंह कुशवाह मा. शि.

ब्लाक व जिला भिंड

मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण से बच्चों की मानसिक स्थिति को समझने में काफी मदद मिली है। हमने जाना कि बच्चों को सकारात्मक फीडबैक देते हुए उनकी गलतियों को सुधारने हेतु काम करना चाहिए| जैसे आपकी हैंडराइटिंग बहुत अच्छी है, बेटा पर आपको थोड़ा और दूर-दूर लिखना चाहिए| कभी-कभी हम बच्चों के सामने उनकी भविष्यवाणी कर देते हैं, जो कि बहुत गलत है| हमें यह नहीं करना चाहिए| हमें बच्चों की भावनाओं को समझना चाहिए उनके अंदर अपने शिक्षक के प्रति सकारात्मक भावनाएं आए इस प्रकार का प्रयास करना चाहिए। यदि बच्चों के अंदर सकारात्मक भावनाएं आएंगी तो वह अच्छे से पढ़ाई में अपना मन लगा पाएगा।

अनिल राजपूत मा. शि. शा. मा.
शाला एरमा JSK सुकतरा वि. खंड कुरई सिवनी

CM rise प्रशिक्षण श्रंखला शिक्षकों के मनोबल को बेहतर बनाए रखने व बच्चों से जोड़े रखने का एक शैक्षिक सेतु है, जो वास्तव में शिक्षकों व विद्यार्थियों के बीच संवाद की कड़ी बन रहा है| शिक्षक व विद्यार्थियों के बीच मनोबल व आत्मविश्वास को बढ़ाते हुए अपनी क्षमताओं को बढ़ाना व शैक्षणिक संवाद के दौरान एक सकारात्मक भाव जागृत करने की अनूठी पहल है।CM Rise प्रशिक्षण ने शिक्षकों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वास्थ्य व बच्चों को सिखाने की प्रवृत्ति में जिज्ञासु बनाने हेतु मार्ग प्रस्तुत किया है। "अब पढ़ाई नहीं रुकेगी"

देवेन्द्र कुमार दिवाकर प्रा. शि. EPES उ. मा. वि.
इमलिया गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर

पाठ्यपुस्तकें एक शिक्षक की सबसे सच्ची मित्र एवं बच्चों को पढ़ाने का अमूल्य संसाधन हैं, लर्निंग आउटकम्स प्राप्त कर बच्चों में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया पूर्ण करने में पुस्तकें ही शिक्षक की मददगार हैं। CM राइज के प्रत्येक प्रशिक्षण से हमारे मन मस्तिष्क में नई चेतना एवं नई ऊर्जा से काम करने की प्रेरणा प्राप्त हो रही है। सीखने के प्रतिफल एवं पाठ्यपुस्तकें शिक्षक की मित्र इन प्रशिक्षणों से हम सभी को कुछ नया सीखने को प्राप्त हुआ है।

भावना पटेल मा. शिक्षक शा. पूर्व मा. वि. पटना
रायपुर कर्चुलियान , रीवा

शिक्षक का उद्देश्य छात्रों में शैक्षिक गुणवत्ता का विकास और अच्छी उपलब्धि स्तर को हासिल करना होता है, जिससे छात्रों के लिए समग्र मूल्यांकन के माध्यम से विकास की एक निश्चित योजना बनाकर उनका उन्नयन किया जा सके। सीएम राइज के कोर्स सीखने के प्रतिफल/परिणामों पर समझ और पाठ्यपुस्तकें शिक्षक की मित्र ने इस कार्य को करना सुगम बना दिया है।

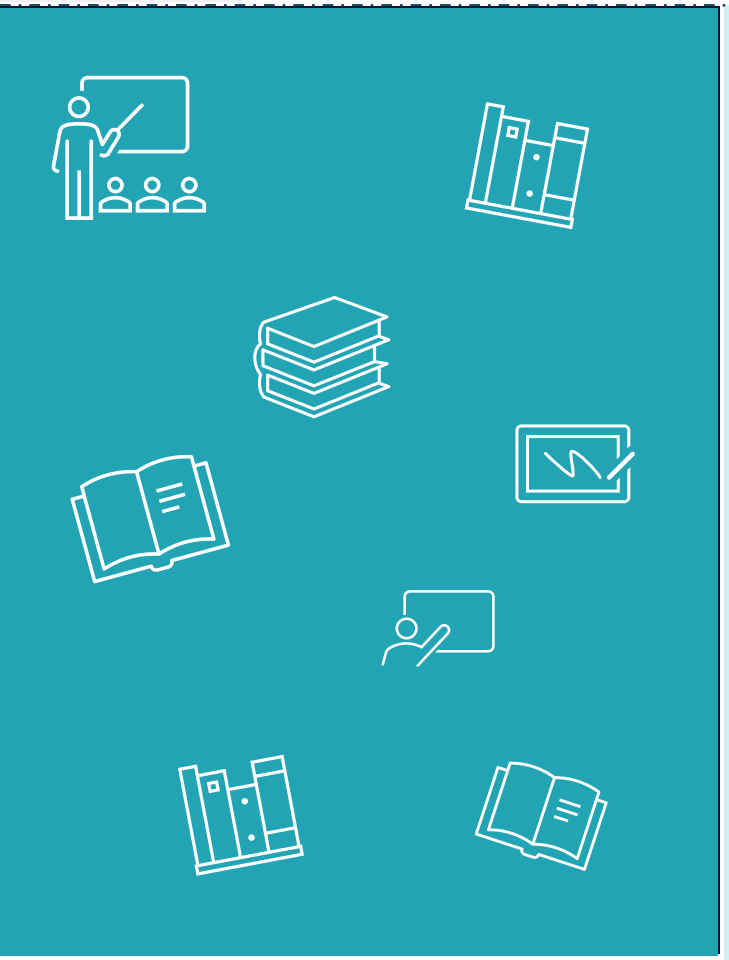

प्रसन्न कुर्मी CAC ज.शि.के.
करकबेल वि.ख.- गोटेगांव, जिला-नरसिंहपुर

एक शिक्षक सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में निरन्तर लगा रहता है और उसे जो भी जिम्मेदारी सौंपी जाती है उसे पूर्ण करने में अपनी पूरी शक्ति झोंक देता है। इसका उदाहरण वर्तमान में covid-19 संकट काल के समय विद्यार्थियों की पढ़ाई न रुके उसके लिये स्वयं अपने कौशलों में वृद्धि करने हेतु CM राइज डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर ज्ञानार्जन कर रहा है, ताकि नवीन तकनीकों का उपयोग करते हुए बच्चों का अध्यापन कार्य निरंतर चलता रहे। उक्त कोर्स के माध्यम से तनावमुक्त व प्रसन्नचित्त होकर हमारा घर हमारा विद्यालय कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त शिक्षक बहुत परिश्रम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे ऐसा पूर्ण विश्वास है।

संध्या पाठक प्रा. शि. डाबर
विकासखंड साँची, जिला रायसेन

CM राइज के सभी प्रशिक्षण प्रेरणास्पद है प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों की कार्य शैली को गति के साथ साथ क्रियान्वयन के नए तरीके सीखने के अवसर प्राप्त होते हैं जो व्यक्तिगत गुणवत्ता को बढ़ाने में सहायक हैं जिनके माध्यम से छात्र एवं पालको की नई समझ विकसित की जा सकती है।

सुनेर सिंह पवार CAC
जनशिक्षा केंद्र सोयत नसरुल्लागंज जिला सीहोर

CM राइज के समस्त प्रशिक्षणों से हमें जानने का अवसर प्राप्त हुआ कि डिजिटल क्रांति के इस युग में हम शिक्षक प्रिंट मीडिया, प्रिंट सामग्री, डिजिटल सामग्री, एवं सुरक्षा कवच और समुदाय के सहयोग से किस प्रकार बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान कर सकते हैं| CM राइज के प्रशिक्षण हम शिक्षक साथियों को आत्म स्वीकृति, स्वच्छ जागरूकता और सकारात्मक सोच के लिए प्रेरित करते हैं| कोर्स पूर्ण करने से हमारे शिक्षक साथियों में स्वयं की क्षमताओं को पहचानने में मदद मिली है। और समस्याओं के समाधान की क्षमता भी विकसित हुई है।

अजय कुमार राय CAC चक्की खमरिया
ब्लॉक कुरई जिला सिवनी

शिक्षकों के कर्तव्य पथ पर पुस्तकों की अति महत्वपूर्ण भूमिका है, प्रशिक्षण से शिक्षक अपडेट होता है और अपडेट होकर वह बच्चों के बीच पहुंचता है। बच्चा नित्य नए नवाचार से उत्साहित होता है। पुस्तकें शिक्षक और छात्रों के मध्य सेतु का कार्य करती हैं, जो वास्तव में शिक्षकों को अपनी क्षमताओं को बढाने व शैक्षणिक संवाद के दौरान एक सकारात्मक भाव जागृत करने में मदद करती है।

लखन सिंह ठाकुर CAC
शा.उ.मा.वि.कुरावर आष्टा सीहोर

पाठ्यपुस्तकें वास्तव में हमारी सच्ची मित्र होती हैं। इस कोर्स द्वारा पाठ्यपुस्तकों की भावना, उनका समुचित पठन पाठन, छात्रों को पढ़ाई गई अवधारणा को पूर्ण रूप से समझ के लिए हमारी शिक्षण योजना, विधि व गतिविधि को छात्र स्तर अनुसार करना स्पष्ट हुआ। जिससे छात्र-छात्रा समझ सकें व उनका व्यावहारिक जीवन में उपयोग कर सकें। इस प्रकार के शिक्षण कौशल शिक्षकों में विकसित करने में यह पाठ्यक्रम अतुलनीय है।

राम दास शाह प्रा. शिक्षक झुमरिया टोला मलगो कुम्हिया जिला सिंगरौली

सीखने के प्रतिफल (परिणाम) पर समझ के माध्यम से हम अपने विद्यार्थियों के लिये बेहतर शिक्षण योजना बनाते हुए अकादमिक प्रगति व उपलब्धि सुनिश्चित कर सकेंगे तथा प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों का आकलन एवं मूल्यांकन कर समय से विषयवस्तु को सिखाने में सक्षम होंगे।

अशोक कुमार शुक्ला शिक्षक शा. मा. शा. बम्होरी(बर्धा) विकास खण्ड सिलवानी जिला रायसेन

पाठ्यपुस्तकें शिक्षकों की वह मित्र हैं जो उनको शैक्षिक अवधारणाओं एवं कौशलों से परिचय तो करवाती ही हैं, साथ ही शैक्षिक सूचनाओं/पद्धतियों से भी अवगत करवाती हैं। उन्हें हर समय पढ़ना होगा, इनसे सीखना होगा ताकि लर्निंग आउटकम्स को निर्धारित समय सीमा में प्राप्त किया जा सके।

बलवीर सिंह कौरव मा. शिक्षक शा.मा.वि वाबन पाएगा (आनंद नगर), मुरार शहर जिला ग्वालियर

पाठयपुस्तके शिक्षकों के लिए विभिन्न तत्वों से बनी बहुमूल्य संसाधन होती है पाठ्यपुस्तक में दिए गए विभिन्न तत्व जैसे सोच विचार के डब्बे, आपने क्या सीखा, प्रोजेक्ट कार्य आदि के माध्यम से हम बच्चों के सीखने के प्रतिफल को और अधिक स्थाई बना सकते हैं इस कोर्स के माध्यम से हमने यह भी जाना की लर्निंग आउटकम को प्राप्त करने में हमारे परिवेश के अनुसार उपयोग किये गए TLM बहुत कारगर सिद्धि होते हैं।

मनीष जोशी शासकीय माध्यमिक विद्यालय
भीलखेड़ा
जिला बड़वानी

CM राइज कोर्स "RSK द्वारा निर्मित लर्निंग आउटकम पर आधारित टीचर हैंडबुक" द्वारा शिक्षकों को प्रत्येक घटक को उदाहरण सहित समझकर पेडागोजीकल प्रक्रिया को और बेहतर बनाने का मौका मिला है। इस प्रशिक्षण को प्राप्त कर शिक्षक लर्निंग आउटकम को ध्यान में रखकर एक उत्तम व आदर्श पाठ योजना का निर्माण आसानी से कर सकते हैं।

डॉ मेहर लता शर्मा सहायक शिक्षक
शासकीय हाई स्कूल रामनई विकासखंड रायपुर
कर्चुलिया जिला रीवा

सीखने के प्रतिफल/परिणाम पर समझ यह प्रशिक्षण हम शिक्षकों को कक्षा के उदाहरणों द्वारा आकलन NCERT द्वारा निर्मित लर्निंग आउटकम्स दस्तावेज पर गहरी समझ बनाने में भी बहुत सहायक सिद्ध हो रहा है। जिससे हम शिक्षकों की सीखने के प्रतिफल पर गहरी समझ बनाकर मूल्यांकन और बच्चों के लर्निंग आउटकम्स प्राप्त करने में सफल होंगे।

विनोद कुमार वर्मा बी आर सी सी अमरवाड़ा
जिला छिंदवाड़ा

विद्यालय आधारित आकलन सीखने के प्रतिफल, स्वयं का आकलन, शिक्षण, अधिगम प्रक्रिया, बच्चों के साथ विषय शिक्षण कराने में बहुत ही उपयोगी है। इससे शिक्षकों को शैक्षिक गतिविधि कराने में सहायता प्राप्त होगी। साथ ही शिक्षकों को प्रदेश के अन्य जिलों के शिक्षाविदों के शैक्षिक, सामाजिक विचारों को सुनने और अनुसरण करने का अवसर मिल रहा है। निष्ठा प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद निश्चित ही इससे छात्रों को लाभ होगा और वे गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्राप्त करेंगे।

राज्य शिक्षा केंद्र
स्कूल शिक्षा विभाग
मध्य प्रदेश

समग्र शिक्षा

DIKSHA

NIC

भाग – 1 | मई 2020-अप्रैल 2021

CM RISE
नए क्षितिज

डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण

धन्यवाद!

peepul™

SBI MUTUAL FUND
A PARTNER FOR LIFE

SBI FOUNDATION
Service Beyond Banking

...के सहयोग से